संपादकीय

गर्मी की मार

इन दिनों लगभग पूरा देश भीषण गर्मी की चपेट में है। करीब दो तिहाई जनसंख्या इसका कहर झेल रही है। देश भर में गर्मी के कारण 30 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। कहा जा रहा है कि थार रेगिस्तान की ओर से आने वाली गर्म हवाओं के कारण तापमान में लगातार इजाफा हो रहा है। एल्डोराडो वेदर वेबसाइट द्वारा दुनिया के सबसे गर्म 15 शहरों की जारी सूची में 10 भारतीय शहर हैं और बाकी पांच पाकिस्तान के। वेबसाइट के अनुसार राजस्थान का चुरू और श्रीगंगानगर सबसे गर्म स्थान हैं जहां तापमान क्रमशः 48.9 डिग्री सेल्सियस और 48.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। इस सूची के बाकी भारतीय शहर हैं- जैसलमेर, ग्वालियर, लखनऊ, बांदा, भोपाल, अकोला, बाड़मेर और बीकानेर। उत्तर भारत के प्रमुख शहरों दिल्ली, जयपुर, लखनऊ, इलाहाबाद समेत देश के कई शहरों में पारा 45 डिग्री सेल्सियस के पार जा चुका है। और यह सिलसिला उत्तर भारत तक सीमित नहीं है।

दक्षिण भारत भी फिलहाल चिलचिलाती गर्मी का सामना कर रहा है। तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, केरल, पुद्दुचेरी और तमिलनाडु के कई हिस्सों में पारा 44 डिग्री तक पहुंच गया है। और तो और, कुछ खुशनुमा पहाड़ी शहरों में भी तीखी गर्मी दर्ज की गई है। शिमला में रविवार को अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस था और नैनीताल में 33 डिग्री सेल्सियस, जबकि मसूरी में एक जून को तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के पुराने डेटा पर आधारित अध्ययन के अनुसार बीते दो दशकों में पहाड़ी इलाकों में गर्म दिनों की संख्या बढ़ती जा रही है। मौसम चक्र में आ रहे बदलाव से देश भर में गर्मी का दायरा बढ़ता गया है।

1950 के दशक में उच्च तापमान का क्षेत्र केवल दक्षिण-मध्य भारत तक सीमित था, जहां 41 डिग्री सेल्सियस तक तापमान दर्ज किया जाता था। लेकिन अभी तो तकरीबन पूरा भारत ही गर्मी का गढ़ बन गया है। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक 1961 से 2018 के बीच तापमान में आश्चर्यजनक बढ़ोतरी (करीब 0.8 डिग्री सेल्सियस) दर्ज की गई है और गर्मी वाले दिनों की संख्या पूरे देश में बढ़ गई है। मौसम विभाग का मानना है कि अगर मॉनसून में बारिश पूर्वानुमान के अनुसार नहीं होती है तो 2019 बीते साल से भी ज्यादा गर्म होगा। भारी गर्मी अपने साथ जल संकट भी लाती है। पिछले कुछ वर्षों से बार-बार सूखे का सामना कर रहे महाराष्ट्र के विदर्भ और उत्तर प्रदेश-मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड में पीने के पानी की समस्या बढ़ गई है। इन

इलाकों के कई जलाशयों में पानी का स्तर क्षमता का 10 फीसदी ही रह गया है, जिससे कुछ फसलें संकटग्रस्त हो गई हैं। सेंट्रल वॉटर कमीशन के मुताबिक पानी का स्तर अभी बीते 10 सालों में सबसे कम है। प्रशासन को बहुत सतर्क रहने की जरूरत है। उसे न सिर्फ पेयजल उपलब्ध कराने के विशेष प्रबंध करने होंगे बल्कि गर्मी से हो रही बीमारियों से निपटने के उपाय भी करने होंगे।

सियासी कामयाबी का दूसरा नाम..अमित शाह

2014 के लोकसभा चुनाव में जब भाजपा ने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ऐतिहासिक सफलता अर्जित की थी तो उसमे अमित शाह के रणनीतिक कौशल की अहम भूमिका थी। अमित शाह तब उत्तरप्रदेश के प्रभारी बनाए गए थे और उन्होंने अपने रणनीतिक कौशल के बल पर लोकसभा की 80 में से 71 सीटें जीतकर इतिहास रच दिया था। भाजपा की सहयोगी अपना दल ने भी प्रदेश में 2 सीटे जीतकर आंकड़े को 73 पर पंहुचा दिया था। शाह के कौशल से समाजवादी पार्टी पांच सीटों पर सिमट गई थी। लोकदल एवं बसपा तो अपना खाता भी नहीं खोल पाए थे ,वही कांग्रेस केवल अपनी परंपरागत सीट अमेठी एवं रायबरेली को बचाने में ही सफल रही। इस चुनाव में भी शाह के रणनीतिक कौशल एवं पीएम मोदी की करिश्माई लोकप्रियता के बल पर भाजपा के पक्ष में देश में ऐसा माहौल बनाया की पार्टी को प्रचंड बहुमत प्राप्त हुआ।

2014 के चुनाव में अमित शाह ने उत्तरप्रदेश में प्रभारी के रूप में अपने कौशल का प्रदर्शन किया था ,लेकिन 2019 में उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में उत्तर से लेकर दक्षिण एवं पूर्व से लेकर पश्चिम तक पार्टी की जीत सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई। पीएम मोदी की लोकप्रियता एवं अमित शाह की अचूक रणनीति ने देशवासियों को इतना प्रभावित किया की विरोधी दलों के पांव के नीचे की जमीन खिसक गई। कुल मिलकर इस चुनाव में पीएम मोदी एवं शाह की जोड़ी ने सोने पे सुहागा की कहावत को चरितार्थ कर दिया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर शाह की नियुक्ति के बाद पार्टी का जनाधार इतनी तेजी से बड़ा है कि सारे विरोधी दलों को अपने राजनीतिक भविष्य खतरे में नजर आने लगा। देश के अधिकांश हिस्सों में भाजपा की सरकारें बनी। देश के अधिकांश राज्यों में कांग्रेस पार्टी के हाथों से सत्ता छीनने में भाजपा यदि सफल हुई है तो उसमे अमित शाह की राजनीतिक सूझबूझ का बहुत बड़ा हाथ रहा है। त्रिपुरा जैसे राज्य में अगर भाजपा सत्ता पर काबिज हुई है तो इसे अमित शाह की ही उपलब्धि माना जाएगा। अब तो विरोधी दलों की सबसे बड़ी चिंता यही है कि उनके पास न तो पीएम मोदी की

तरह कोई करिश्माई नेता है और न अमित शाह की तरह कुशल रणनीतिकार।

अमित शाह को जब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौपी गई थी ,तब उन्होंने पार्टी के जनाधार को बढ़ाने के लिए देशव्यापी दौरे किए। संगठन को मजबूत करने के लिए वे हर राज्य में जमीनी स्तर तक गए। पार्टी के स्थानीय कार्यकर्ताओं एवं नेताओं के उत्साह में बढ़ोतरी की। अमित शाह के कार्यकाल में ही भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी। पार्टी की सदस्यता बढ़ाने उन्होंने जो अभियान शुरू किया वह अपने आप में अनूठा था। पार्टी की सदस्यता प्राप्त करने के तरीके को भी उन्होंने इतना सरल बनाया कि कोई भी व्यक्ति बस एक मिसकॉल देकर पार्टी का सदस्य बन सकता है। लोगो में पार्टी से जुड़ने का ऐसा उत्साह जागा कि भाजपा की सदस्य संख्या 11 करोड़ का आंकड़ा पार कर गई और इसके लिए भाजपा को की विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी रूप में गिनीज बुक में स्थान पाने का गौरव प्राप्त हुआ।

अमित शाह ने देश भर में पार्टी को बढ़ाने रणनीतिक कौशल के प्रदर्शन के साथ जमीनी स्तर तक मेहनत की। पश्चिम बंगाल में ममता सरकार दवारा भाजपा कार्यकर्ताओं को हतोत्साहित करने के लिए जिस तरह के तरीके अपनाए गए ,उससे कार्यकर्ताओं का मनोबल कम न हो इससे निपटने के लिए उन्होंने पिछले पांच वर्षों में राज्य का 91 बार दौरा किया। कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाने सैकड़ो बैठकें की, रैलियां निकाली तथा कई जनसभाएं की। एक समय ऐसा आया कि ममता सरकार ने घबराकर अमित शाह की रैलियों के लिए अनुमति देना ही बंद कर दिया। इससे भी वे भाजपा का मनोबल तोड़ नहीं सकी और आज नतीजे सबके सामने है। भाजपा ने 42 में से 18 सीटें जीतकर इतिहास रच दिया। इस जीत से ममता सरकार को अब यह अंदेशा हो गया है कि भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव में भी इस तरह का करिश्मा दोहरा सकती है। लोकसभा चुनाव में अमित शाह ने पीएम मोदी से ज्यादा सभाओं को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने 144 रैलियां की तो अमित शाह ने 161 सभाओं को सम्बोधित किया। पार्टी अध्यक्ष रूप में शाह ने उन 120 सीटों पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जहां भाजपा 2014 में हारी थी। चुनाव में अमित शाह ने पोलिंग बूथों पर लगभग 2 करोड़ 70 लाख कार्यकर्ताओं को तैयार किया। उन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों को पार्टी से जोड़ने के लिए संपर्क अभियान चलाया। फिल्म, कला ,साहित्य, संस्कृति ,खेल आदि क्षेत्रों की दिग्गज हस्तियों से वे स्वयं जाकर मिले और पार्टी के लिए समर्थन मांगा। ऐसा अनूठा चुनाव प्रबंधन केवल अमित शाह जैसा तीक्ष्ण बुद्धि का नेता ही कर सकता था। लोकसभा में पराजित होने वाली पार्टियों को अब लग रहा है कि उनके पास अमित शाह की काट का कोई इंतजाम नहीं है।

अमित शाह पर अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियां है। जिन राज्यों में भाजपा के प्रवेश को ही नामुमकिन समझा जाता था उनके कार्यकाल में वहा भाजपा सत्ता तक पहुंची है। सही समय पर सही निर्णय लेने में भी वे माहिर माने जाते है। जम्मू कश्मीर में भाजपा ने पीडीपी के साथ मिलकर गठबंधन सरकार बनाई थी। यह सरकार तीन साल तक चली। दोनों दलों के बीच मतभेदों की खबरे आती रही लेकिन इस दौरान अमित शाह मौन रहकर सभी स्थितियों का जायजा लेते रहे और फिर एक दिन अचानक उन्होंने मेहबूबा सरकार समर्थन वापस लेने की घोषणा कर दी।

फ्रेंच ओपन : सेमीफाइनल में भिड़ेंगे फेडरर-नडाल

पेरिस। टेनिस के महान खिलाड़ी स्पेन के राफेल नडाल और स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर साल के दूसरे ग्रैंड स्लैम फ्रेंच ओपन के फाइनल में भिड़ेंगे। नडाल ने मंगलवार को यहां चार्टर फाइनल मैच में जापान के केई निशिकोरी को 6-1, 6-1, 6-3 से मात दी जबकि फेडरर ने हमवतन स्टान वावारिंका को चार सेट तक चले एक कड़े मुकाबले में 7-6 (7-4), 4-6, 7-6 (7-5), 6-4 से हराया। जानकारी के अनुसार, 37 वर्षीय फेडरर की कोशिश होगी कि वह 33 वर्षीय नडाल को 12वीं बार फ्रेंच ओपन का खिताब जीतने से रोकना चाहेंगे।

आस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे प्रणीत

सिडनी। भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी बी साई प्रणीत ने बुधवार को यहां जारी आस्ट्रेलियन ओपन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बना ली है। प्रणीत ने पुरुष एकल वर्ग के पहले दौर के मैच में दक्षिण कोरिया के ली डोंग किउन को सीधे गेमों में 21-16, 21-14 से पराजित किया। भारतीय खिलाड़ी ने इस मैच को जीतने के लिए 47 मिनट का समय लिया।

दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ दमदार प्रदर्शन

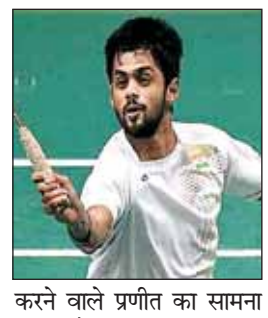

करने वाले प्रणीत का सामना दूसरे दौर में इंडोनेशिया के एंथोनी गिनटिंग से होगा जिन्होंने पहले दौर के अपने मुकाबले में दक्षिण कोरिया के ही हीओ कवांग ही को 21-18, 12-21, 21-18 से शिकस्त दी।

महिला युगल वर्ग में हालांकि, भारत को निराशा हाथ लगी। अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की जोड़ी पहले दौर में ही हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। भारतीय जोड़ी को दक्षिण कोरिया की बेएक हा ना और किम हाय रिन की जोड़ी ने सीधे गेमों में 21-14, 21-13 से हराया। दक्षिण कोरियाई जोड़ी ने इस मुकाबले को जीतने के लिए केवल 37 मिनट का समय लिया।

हमें अपनी बल्लेबाजी बेहतर करनी होगी : करुणारत्ने

कार्डिफ। श्रीलंका के कप्तान दिमुथ करुणारत्ने ने माना कि इंग्लैंड एंड वेल्स में जारी विश्व कप में उनकी टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और उन्हें अपनी बल्लेबाजी को बेहतर करना होगा। अफगानिस्तान के खिलाफ भी मंगलवार को श्रीलंका की पूरी टीम 201 रनों पर ही सिमट गई। हालांकि, गेंदबाजों के दम पर श्रीलंका की टीम 34 रनों से मैच जीतने में कामयाब रही। डकवर्थ-लुइस नियम के आधार पर श्रीलंका को 187 रनों का लक्ष्य मिला था। मैच में एक समय श्रीलंका का स्कोर एक विकेट पर 144 रन था और 180 के कुल योग तक पहुंचते-पहुंचते उसके आठ विकेट गिर गए। मैच के बाद करुणारत्ने ने कहा, लंबे समय बाद हमें बेहतरीन शुरुआत मिली, लेकिन अचानक हमने कुछ विकेट खो दिए और बैक फुट पर चले गए। यह बुरी चीज है, लेकिन इसके अलावा गेंदबाजी और फील्डिंग बहुत अच्छी रही। करुणारत्ने ने कहा, हमने बीच के ओवरों में अपनी बल्लेबाजी को बेहतर करने पर काम करना पड़ेगा।

रबाडा से आमने-सामने बात करूंगा : कोहली

साउथैम्पटन। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज कागिसो रबादा ने भारतीय टीम के कप्तान विराच कोहली को अपरिपच कहा था। कोहली ने मंगलवार को इसका जबाव देते हुए कहा कि वह आमने-सामने इस पर रबादा से मुखातिब होंगे। कोहली ने रबादा की तारीफ भी की है और उन्हें विश्व स्तर का गेंदबाज बताया है। भारत और दक्षिण अफ्रीका को बुधवार को आईसीसी विश्व कप-2019 के मैच में भिड़ना है। मैच से पहले संवाददाता सम्मेलन में कोहली ने कहा, मैं

रबादा के सामने कई बार खेला हूं। मुझे लगता है कि जिस चीज पर हमें बात करने की जरूरत होगी हम उस पर आमने-सामने बात कर लेंगे। मुझे इसके लिए प्रेस कान्फ्रेंस में जबाव देने की जरूरत नहीं है। वह विश्व स्तर के गेंदबाज हैं। उनके पास ऐसी योग्याता है कि वह किसी भी दिन किसी भी बल्लेबाजी को ध्वस्त कर सकते हैं। अपनी टीम के बारे में कोहली ने कहा कि जाधव अब पूरी तरह से फिट हैं। उन्हें कंधे में चोट लग गई थी। कोहली ने कहा, जाधव अब पूरी तरह से फिट हैं। रवींद्र जडेजा भी अब परिपच्चता से बल्लेबाजी कर रहे हैं।

हम जानते हैं कि हमने सभी क्षेत्र कवर कर लिए हैं। हम यहां हर परिस्थति में खेलने को तैयार हैं। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज डेल स्टेन कंधे में चोट के कारण विश्व कप से बाहर हो गए हैं।

आज का राशिफल

मेषः- आज धन प्राप्ति के विशेष योग हैं लेकिन वाणी पर संयम बनाए रखें ताकि शुभ फल प्राप्त होता रहे। इसके अलावा घर-परिवार और संतान के मामले में आज आपको आनंद की भावना का अनुभव होगा।

वृषभः- नौकरी में अधिकारियों का सहयोग एवं कार्य करने के लिए उत्साह बना रहेगा। नकारात्मक विचारों से दूर रहें।

मिथुनः- खर्च और कर्ज आज आपकी चिंता का कारण बन सकता है इसलिए सोच-समझकर कार्य करें, अनावश्यक खर्च से बचें, कार्यों में समस्याएं आ सकती हैं।

कर्कः- आज का दिन मंगलमय बीतेगा, विशेष लाभ का योग बन रहा है। कार्यों की पूर्णता के आसार हैं। आज के दिन जोखिमपूर्ण निवेश में भी लाभ होगा। घर में शांति का वातावरण रहेगा।

सिंहः- आज का दिन सामाजिक और व्यावसायिक क्षेत्र में आपके लिए लाभदायक साबित होगा। मौज-मस्ती के साधन, उत्तम आभूषण और वाहन की खरीदारी की भी संभावना है।

कन्याः- अध्यात्मिक सुख एवं सुख-शांति का वातावरण बना रहेगा। भाग्य आज आपका साथ देने के लिए है तत्पर है। नए अवसर सामने आएंगे।

तुलाः- आज दूर की यात्रा न करें, वाहन सावधानीपूर्वक चलाएं। अजनबी लोगों पर भरोसा न करें अन्यथा मुश्किल में पड़ सकते हैं। किसी को उधार देने से बचें।

वृश्चिकः- जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। स्त्रियों के दांपत्य जीवन में सुख की वृद्धि होगी। संतान संबंधी किसी शुभ समाचार के मिलने के संकेत हैं।

धनुः- उन्नतिदायक दिन है। अचानक कोई शुभ समाचार या रुका हुआ धन मिलेगा। आज आपके शत्रु पराजित होंगे। किसी से कोई बड़ा प्रॉजक्ट भी मिल सकता है।

मकरः- आज के दिन किसी से पैसे का लेन-देन न करें। खर्च में वृद्धि हो सकती है। स्वास्थ्य के मामले में ध्यान रखें। परिजनों के साथ वाद-विवाद होने की आशंका है।

कुंभः- पारिवारिक वातावरण के कारण आप परेशानी का अनुभव कर सकते हैं। निरर्थक धन खर्च हो सकता है। विलंब से कार्य पूरा होगा। महत्त्वपूर्ण निर्णय लेना हितकर नहीं है।

मीनः- आत्मविश्वास एवं परा म में वृद्धि के चलते आज आपको सफलता मिलेगी। इसके अलावा आज आर्थिक लाभ और भाग्यवृद्धि के लिए अच्छा दिन है।

खीरे का रायता बनाने की विधि...

सामग्रीः-

आधा चम्मच भुना जीरा
एक चम्मच चीनी
चार चम्मच क्रीम
आधा चम्मच काली मिर्च पाउडर
एक खीरा
नमक स्वादानुसार
एक कटोरी दही
एक चम्मच चाट मसाला
एक टमाटर

विधिः

सबसे पहले एक बड़े बाउल में दही निकालकर अच्छी तरह से फेंट लें। फिर इसमें फ्रेश क्रीम, चीनी, जीरा, नमक, चाट मसाला, काली मिर्च डालकर अच्छे से फेंट लें। फिर इसमें खीरे को कद्दूकस कर के डालकर मिक्स कर लें। अब गार्निश करने के लिए एक ग्लास में खीरे और टमाटर के स्लाइस डालें। फिर इस ग्लास में रायता डालकर सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 85

बाएं से दाएं

1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी आदि की मूर्ति बनाना।

ऊपर से नीचे

1. हृदर, उर 2. शिष्टता, भद्रता, विवेक (उ.) 3. अंततः, अंततोगत्वा 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. घोड़े की तेज चाल, तेज गति की दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. बबार्दी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रीय 17. आखेटक, अहेरी 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।

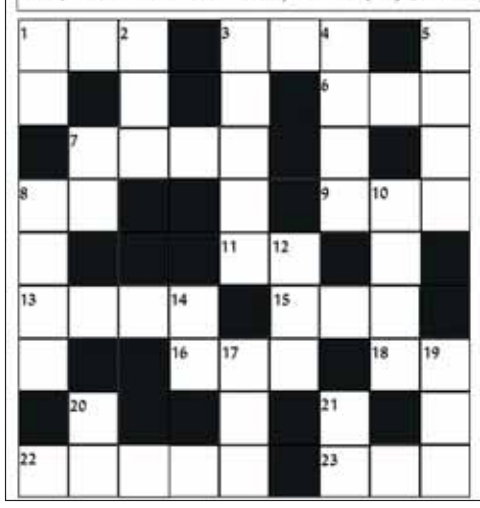

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 84 का हल

चु	स्त	■	मु	■	सं	स्था	न	■
ग	■	म	र्दा	न	गी	■	त	म
ली	प	ना	■	■	त	न	■	■
■	ना	ना	■	■	■	■	ज	■
मा	ह	■	रा	■	सा	ज	न	■
न	■	स	ह	दे	व	■	म	द
व	■	म	■	व	न	ज	■	ल
ता	क	त	व	र	■	मी	■	द
■	ल	ल	क	■	क	र	त	ल

सू-दोकू- 85

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.84 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2